<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
<u>पन्तनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)</u>

<u>अन्तर्राष्ट्रीय मोटे अनाज वर्ष 2023 में ज्वार की खेती को बढ़ावा देने का प्रयास</u>

पन्तनगर। 17 मई 2023। हमारे देश में गैर दलहनी भोजन और चारे की फसलों में ज्वार (सारघम) का मुख्य स्थान है। अंतर्राष्ट्रीय मोटे अनाज वर्ष 2023 में इन फसलों की महत्ता को ध्यान में रखते हुए इन्हें किसानों के बीच में खेती के लिए बढ़ावा देने हेतु विभिन्न गतिविधियां एवं कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा हैं। पन्तनगर विश्वविद्यालय में संचालित अखिल भारतीय ज्वार उन्नयन परियोजना द्वारा विश्वविद्यालय के ढकरानी (देहरादून) एवं धनौरी (हरिद्वार) कृषि विज्ञान केन्द्रों पर किसान गोष्ठियों का आयोजन किया गया और ज्वार की उन्नत प्रजातियों के बीज एवं पैम्फलेट जिसमें चारा ज्वार उत्पादन की उन्नत तकनीक, खाद्य एवं पोषण सुरक्षा में मोटे आनाजों का महत्व की जानकारी दी गयी है, का वितरण किया गया। गोष्ठियों में आये हुए किसानों ने खेती के लिए ज्वार की उन्नत किस्में/संकर बीज मिलने में हो रही समस्या तथा पंतनगर की किस्मों को उगाने हेतु बीज उपलब्ध कराने की मांग की। कार्यक्रम में प्रभारी अधिकारी एवं ज्वार रोग वैज्ञानिक डा. योगेंद्र सिंह, श्री अजीत कुमार तथा संबंधित कृषि विज्ञान केन्द्रों के प्रभारी अधिकारी एवं वैज्ञानिकों ने भी प्रतिभाग किया और अपने विचार रखे।

कृषि विज्ञान केन्द्रों पर उपस्थित किसान एवं अधिकारीगण।